140 दिनों में पक कर तैयार हो जाता है और इसकी उपज क्षमता 17 क्विंटल/है० है।

मसूर

पूसा वैभव: यह किस्म छोटे बीजों वाली है और उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए जारी की गई है। यह किस्म रतुआ व तना छेदक की प्रतिरोधी है। इस किस्म की औसत उपज 17.8 क्विंटल/है० है।

कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार

1717. श्री राज मोहिन्दर सिंह:
श्री कपिल सिब्बल:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश में दुग्ध उत्पादन उद्योग, पशुपालन उद्योग जैसे कृषि आधारित उद्योगों का विकास तथा विस्तार करने हेतु कोई योजना तैयार की गई है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने किन-किन उद्योगों के लिए क्या-क्या विकास व विस्तार योजनाएं तैयार की हैं; और

(ग) प्रत्येक कृषि-आधारित उद्योग के लिए चालू वित्तीय वर्ष में कितनी-कितनी राशि वार्षिक बजट में आबंटित की गई थी और दिसम्बर, 1998 तक इसमें से कितनी राशि व्यय किए जाने का आकलन किया गया है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) और (ख) योजना के दौरान सरकार की कार्यनीतियों और नीतियों का जोर गोपशु और भैंसों के आनुवंशिक उन्नयन पर दिया गया है ताकि उनके उत्पादकता स्तर बढ़ाए जा सकें और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा सके। ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम की सफलता के बाद विभाग ने गैर ऑपरेशन फ्लड, पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में एकीकृत डेयरी विकास परियोजना और राष्ट्रीय गोपशु और भैंस प्रजनन परियोजना तैयार की है और इन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

(ग) इन योजनाओं के अंतर्गत चालू वर्ष म वार्षिक योजना में आबंटित राशि दिसम्बर, 1998 तक खर्च की गई राशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

करोड़ रुपए में

योजना का नाम	आबंटित राशि 1999-2000	खर्च की गई राशि दिसम्बर, 1998
1. गैर-ऑपरेशन फ्लड, पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में समेकित डेयरी विकास परियोजना	45.00	9.70
2. गोपशु और भैंस प्रजनन संबंधी राष्ट्रीय परियोजना	47.00	6.04*

* हिमित वीर्य प्रौद्योगिकी विस्तार, संतति परीक्षण और राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम की घटक योजनाओं के तहत।

कृषि संबंधी नवीन अनुसंधानों के लाभ

1718. श्री कपिल सिब्बल:
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार प्रयोगशालाओं में किए गए कृषि संबंधी नवीनतम अनुसंधानों के लाभ देश के कृषकों तक पहुंचाने के लिए स्थायी व्यवस्था कायम करने पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो इस व्यवस्था की रूपरेखा क्या है; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) और (ख) किसानों तक कृषि अनुसंधान के लाभ पहुंचाने के लिए निश्चित ही स्थायी व्यवस्था मौजूद है तथा स्थायी व्यवस्था की रूपरेखा में निम्नलिखित शामिल हैं:—

राज्य विस्तार एजेंसियां अनुसंधान प्रणाली द्वारा विकसित नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के संबंध में किसानों को शिक्षित बनाने के लिये खेत पर दिशा-निर्देश के अलावा, प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा प्रदर्शन दौरों का आयोजन करती है।

प्रदर्शनी, किसान मेला, क्षेत्र दिवस, सामूहिक बैठक तथा प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों